ऐशपरस्ती से बचो

मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

* मिश्कात, रावी मुआज बिन जबल रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने जब उनको यमन का काजी या गवर्नर बना कर भेजा तो फरमाया ऐ मुआज अपने को ऐशपरस्ती से बचाना इसलीये की अल्लाह के बन्दे ऐश परस्त नही होते. मतलब ये की तुम एक बडे ओहदे पर जा रहे हो, वहा जिन्दगी की लज्जतो से फायदा उठाने और हाथ रंगने का खूब मौका मिल सकता है, लेकिन तुम दुनिया की मुहब्बत मै ना फस जाना और दुनिया को चाहने वाले हाकिमो की तरह अपने अन्दर जेहनियत ना पालना क्युकी ये अल्लाह की बन्दगी से मेल नही खाती.

* अबू दाउद, रावी सौबान रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने सहाबा को मुखातिब कर के फरमाया की

मेरी उम्मत पर वो वकत आने वाला है जब दूसरी उम्मते उस पर इस तरह टूट पडेगी जिस तरह खाने वाले लोग दसतरख्वान पर टूटते है. तो किसी कहने वाले ने कहा की जिस जमाने का हाल आप बयान कर रहे है उस जमाने मै क्या हम मुसलमान इतनी कम तादाद मै होगे की हम को निगल लेने के लिये कौमे एक होकर टूट पडेगी? आपﷺ ने फरमाया नही, उस जमाने मै तुम्हारी तादाद (सख्या) कम ना होगी, बल्कि तुम बहुत बडी तादाद मै होगे लेकिन तुम सैलाब के झाग की तरह हो जाओगे और तुम्हारे दुश्मनो के सीने से तुम्हारा डर निकल जायेगा और तुम्हारे दिलो मै कम हिम्मती घर कर लेगी. तो एक आदमी ने पूछा की ऐ अल्लाह के रसूल! ये कम हिम्मती किस वजह से आजायेगी? आपﷺ ने फरमाया की उसकी वजह ये होगी की तुम (आखिरत से मुहब्बत करने के बजाये दुनिया से मुहब्बत करने लगोगे, और (अल्लाह की राह मै जान देने की आरजू के बजाये) मौत से भागने और नफरत करने लगोगे.

* तिर्मेज़ी

रसूलुल्लाहﷺ ने लोगो को खिताब कर के फरमाया की

अल्लाह से पूरी तरह शर्माओ, हम ने कहा, ऐ अल्लाह के रसूल! अल्लाह का शुक्र है की हम अल्लाह से शर्माते है. आपﷺ ने फरमाया की अल्लाह से शर्माने का इतना ही मतलब नही है, बल्कि अल्लाह से पूरी तरह शर्माने का मतलब ये है की तू अपने दिमाग और दिमाग मै आने वाले खयालात की निगरानी करता रहे और पेट के अन्दर जाने वाली गिजा की देख भाल करता रहे और मौत के नतीजे मै सड गल जाने और फना हो जाने को याद रखे. उसके बाद आप ने फरमाया और जो शख्स आखिरत का चाहने वाला होता है वो दुनिया की जीनत और सिगार को छोड देता है और हर मौके पर आखिरत को दुनिया पर तरजीह (महानता) देता है. तो जो शख्स ये सब करता है वो ही हकीकत मै अल्लाह से शर्माता है.